ब्राक मीडिया

डॉ. भीमराव अंबेडकर महाविद्यालय के मीडिया छात्रों का प्रायोगिक समाचार-पत्र

नई दिल्ली, शुक्रवार , 30 अगस्त 2024 | अंक 4 , पृष्ठ संख्या 1

महाविद्यालय में शैक्षणिक माहौल और सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता: प्राचार्य

नई दिल्ली : डॉ भीमराव अंबेडकर कॉलेज में 29 अगस्त को नवागंतुक छात्रों के ओरिएंटेशन प्रोग्राम से पहले महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो सदानंद प्रसाद ने बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इस अवसर पर कॉलेज के ओरिएंटेशन प्रोग्राम की संयोजिका प्रो तुष्टि भारद्वाज समेत महाविद्यालय के सभी विभागों के आचार्यगण, सहयोगी आचार्यगण, सहायक आचार्यगण, तदर्थ सहायक आचार्यगण व अतिथि आचार्यगण समेत कॉलेज कर्मचारीवृंद उपस्थित रहे।

इस मौके पर प्राचार्य ने बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर के विचारों और मूल्यों से अवगत कराया और विद्यार्थियों से उन्होंने बाबा साहेब के मूल्य और सिद्धांतों को जीवन में उतारने की अपील की।

नई दिल्ली : दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रतिष्ठित महाविद्यालयों में शुमार डॉ भीम राव अंबेडकर महाविद्यालय में 29 अगस्त को स्नातक प्रथम वर्ष के नवागंतुक छात्रों के लिए ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. सदानंद प्रसाद के कुशल नेतृत्व और मार्गदर्शन में संपन्न होना है। तैयारियों के संदर्भ में हिन्दी पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के पांच विद्यार्थियों के संवाददाता समूह ने प्राचार्य महोदय से ओरिएंटेशन प्रोग्राम के तमाम पक्षों पर विशेष बातचीत की है।

Q आचार्य नरेंद्र देव कॉलेज के प्रोफेसर से लेकर डॉ भीमराव अम्बेडकर कॉलेज के प्राचार्य बनने तक का आपका सफर कैसा रहा?

डॉ भीमराम अंबेडकर कॉलेज में बतौर प्राचार्य योगदान देना मेरे लिए

दिव्यानुभूति है। इससे पहले मैं दिल्ली विश्वविद्यालय के आचार्य नरेन्द्र देव कॉलेज में गणित विभाग में प्रोफेसर था। जैसे कि आप जानते हैं कि आचार्य नरेन्द्र देव कॉलेज पूरी तरह साइंस विषयों को समर्पित कॉलेज हैं जहां मैं गणित विभाग में प्रोफेसर था। डॉ भीमराव अंबेडकर कॉलेज कला विषयों का कॉलेज हैं और यहाँ मेरी भूमिका और दायित्व प्रशासनिक कार्यों का संचालन है। मेरे लिए यह अलग तरह की अनुभूति है क्योंकि प्रशासनिक कार्य संचालन मेरे लिए नया है किन्तु मैं पूरे मनोयोग से महाविद्यालय के बेहतरीकरण के लिए कार्य करूंगा। महाविद्यालय के आचार्यों और कर्मचारियों के परस्पर सहयोग से महाविद्यालय परिसर में शैक्षणिक माहौल **शेष पृष्ठ सं. 2 पर >**

छात्रों को सर्वांगीण प्रशिक्षण देना हमारा संकल्प: प्रो. शशि रानी

नई दिल्ली : हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग की प्रभारी प्रो शशि रानी ने विद्यार्थी संवाददाता सत्यम वर्मा से साक्षात्कार के दौरान बताया कि हमारे विभाग का उद्देश्य है कि विद्यार्थी न केवल सैद्धांतिक ज्ञान प्राप्त करें बल्कि व्यावहारिक अनुभव भी हासिल करें। उन्होंने नए विद्यार्थियों को संदेश देते हुए कहा, "आप सभी का इस विभाग में स्वागत है। पत्रकारिता एक रोमांचक और चुनौतीपूर्ण क्षेत्र है। आप सभी मेहनत करें और इस क्षेत्र में अपना नाम रौशन करें।" उन्होंने विद्यार्थियों को सलाह दी कि वे हमेशा सत्य की तलाश में रहें और निष्पक्ष पत्रकारिता करें। साक्षात्कार के कुछ अंश यहां पर प्रस्तुत हैं-

Q : आपका विभाग नए विद्यार्थियों के ओरिएंटेशन प्रोग्राम के लिए क्या कर रहा है ?

हमारा विभाग नए विद्यार्थियों के ओरिएंटेशन कार्यक्रम के लिए कॉलेज और इसके विभिन्न विभागों के शिक्षक प्रभारियों से बातचीत करके उनके विभाग से संबंधित जानकारी का प्रचार प्रसार कर रहा है ताकि नए विद्यार्थियों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। यह सारी जानकारी फेसबुक पेज, इंस्टाग्राम, युट्यूब और ब्राक मीडिया के माध्यम से उपलब्ध कराने का बहुत अच्छा कार्य हमारे मीडिया के छात्र कर रहे हैं। हमारी मीडिया टीम द्वारा ओरिएंटेशन प्रोग्राम की फोटोग्राफी, वीडियोग्राफी के साथ ही कार्यक्रम के अध्यक्ष, मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि और कॉलेज के प्राचार्य का साक्षात्कार कर नए विद्यार्थियों की संभावित जिज्ञासाओं के उत्तर देने की भी सार्थक पहल की गई है। साथ ही, पूरे ओरिएंटेशन का प्रोग्राम का मीडिया कवरेज भी हमारे छात्र करेंगे।

Q : नए विद्यार्थियों को आपका क्या संदेश है ?

नए छात्रों को मैं यही कहना चाहूंगी कि वे एक नए परिवेश और जीवन के महत्वपूर्ण दौर में प्रवेश कर रहे हैं। यदि वे इस समय पूरी निष्ठा और ईमानदारी से अपना कार्य करेंगे तो निश्चित रूप से उनके स्वप्न उनकी हथेली पर उतरेंगे। स्वामी विवेकानंद जी के शब्दों में कहें तो उठो , जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो जाए!

Q : आपका विभाग छात्रों के लिए साल भर में क्या कार्यक्रम आयोजित करेगा ?

हमारा विभाग हिंदी पत्रकारिता के नए छात्रों के लिए 10 अगस्त 2024 को मीडिया के नए आयाम पर ओरिएंटेशन कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। पत्रकारिता के छात्रों की पत्रिका ब्राक मीडिया का प्रकाशन, लघु फिल्म निर्माण ,समसामयिक विषयों पर पॉडकास्ट निर्माण और विभिन्न विषयों पर कार्यशाला एवं संगोष्ठी का आयोजन किया जाएगा ताकि छात्रों को व्यावहारिक रूप से प्रशिक्षित किया जा सके।

शेष पृष्ठ सं. 2 पर >

छात्रों को सामर्थ्य का अहसास कराएं शिक्षक : प्रो. बलराम पाणी

नई दिल्ली : नए शिक्षण वर्ष की शुरुआत के अवसर पर डॉ. भीमराव अम्बेडकर कॉलेज में ओरिएंटेशन प्रोग्राम के आयोजन के अवसर पर प्राचार्य प्रो. सदानंद प्रसाद ने छात्रों को स्वागत संबोधन देते हुए कहा कि कॉलेज का समय एक स्वर्ण काल होता है जहां हमे जीवन जीने के ढंग और सामाजिक व्यवहार की कला सिखाई जाती है।।

मुख्य अतिथि प्रो. बलराम पाणी ने अपना वक्तव्य देते हुए कहा कि दिल्ली विश्वविद्यालय में आकर प्रत्येक विद्यार्थी गर्व महसूस करता है, जहां पर उसे ज्ञान-विज्ञान के साथ-साथ संस्कृति और विभिन्न कलाओं की शिक्षा दी जाती है।। रामायण के एक प्रसंग का उल्लेख करते हुए मुख्य अतिथि ने कहा कि हमारे गुरुजन विद्यार्थियों को स्वयं के सामर्थ्य का अहसास दिलाते हैं। दिल्ली विश्वविद्यालय राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के द्वारा छात्रों के कौशल विकास और नैतिक मूल्यों की स्थापना में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है।

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि एसीपी दीपक चंद्रा ने कहा कि छात्रों को कॉलेज की डिग्री को औपचारिकता मात्र नहीं समझना चाहिए बल्कि हमें सभी कामों को पूरे समर्पण एवं लगन के साथ करना चाहिए। कार्यक्रम की संयोजिका प्रो. तुष्टि भारद्वाज ने विद्यार्थियों को कॉलेज के प्रत्येक विभागों के बारे में, कैंटीन से लेकर स्पोर्ट ग्राउंड, एनसीसी, मीडिया लैब, हर्बल गार्डेन, सभागार, पुस्तकालय व अन्य सभी सुविधाओं का वर्चुअल वीडियो के माध्यम से परिचय कराया।

कार्यक्रम में डॉ चित्रा रानी, डॉ तूलिका सनाढ्य, डॉ रवि शंकर, डॉ एस एस चावला, डॉ अरविन्द यादव, डॉ सुनीता चाकी, डॉ आरती ढींगरा, डॉ सोनिया अग्रवाल, डॉ तमाल दास गुप्ता, महेन्द्र सिंह कादयान, डॉ सरला भारद्वाज, डॉ आर पी द्विवेदी, डॉ के के शर्मा और अन्य प्रोफेसर, सहायक प्रोफेसर के साथ-साथ देश के विभिन्न हिस्सों से आए हुए छात्रों के अभिभावक भी उपस्थित रहे।

नवागंतुकों का सर्वांगीण विकास हमारे विभाग का मूल ध्येय: डॉ तूलिका

नई दिल्ली : भूगोल विभाग में स्नातक प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए ओरिएंटेशन प्रोग्राम की तैयारी के संबंध में ब्राक मीडिया के संवाददाता सौभाग्य ने डॉ तूलिक सनाढ्य के साथ साक्षात्कार किया।

Q. आपका विभाग नए विद्यार्थियों के ओरिएंटेशन प्रोग्राम के लिए क्या कर रहा है?

हमारा पूरा विभाग नए विद्यार्थियों का स्वागत करने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। विभाग के सभी अध्यापक-अध्यापिकाएं उनका मार्गदर्शन करेंगे ताकि विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास हो और उनके व्यक्तित्व में निखार आ सके। विभाग हरेक नवागंतुकों को शिक्षा के महत्व से अवगत कराने का हर संभव प्रयास करेगा।

Q. नए विद्यार्थियों को आपका क्या संदेश है?

नए विद्यार्थियों को यही संदेश देना चाहती हूँ कि यह उनके कॉलेज लाइफ की शुरुआत है। इस काल से ही उन्हें अपने लक्ष्यों को निर्धारित कर बौद्धिक, शारीरिक और मानसिक विकास पर ध्यान देना चाहिए। साथ ही , दिल्ली जैसे शहर में नवागंतुकों को खान-पान और स्वास्थ्य पर भी ध्यान रखना होगा ताकि उनका अध्ययन अबाध रुप से चल सके।

Q. भूगोल विभाग स्नातक प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए साल भर में क्या-क्या कार्यक्रम आयोजित करेगा?

हमारा विभाग हरेक साल भौगोलिक सूचना प्रणाली, रिमोट सेंसिंग, आपदा प्रबंधन और जलवायु परिवर्तन पर कार्यशालाएं और व्याख्यान का आयोजन करता है। प्रत्येक वर्ष विद्यार्थियों को 'फिल्ड ट्रीप' पर ले जाता है। इसके द्वारा आपदाओं पर शोध और शोध-प्रविधियों का अध्ययन कराया जाता है। जैसा कि आपको जानकारी होगी कि हमारा कॉलेज (डॉ भीमराव अंबेडकर कॉलेज) दिल्ली में भारतीय सुदूर संवेदन संस्थान (आईआईआरएस), देहरादून का दूसरा नोडल केंद्र है। यहाँ सुदूर संवेदन (रिमोट सेंसिंग) पर महाविद्यालय स्तर पर सर्टिफिकेट कोर्स का संचालन किया जाता है। हमारा विभाग छात्रों से हरेक गतिविधियों में चढ़बढ़कर भागीदारी की अपील करता है।

Q. नए विद्यार्थियों से आपकी क्या अपेक्षाएं हैं?

नए विद्यार्थियों से मितव्ययिता के साथ सीमित संसाधनों में असीमित अवसर को खोजने, नियमित व अनुशासित जीवन-शैली को अपनाने, अच्छा फ्रेंड सर्किल बनाने, नई-नई चीजों को सीखने में रूचि लेने और कॉलेज में आयोजित होने वाले हरेक कार्यक्रमों एवं प्रतियोगिताओं में भाग लेने की उपेक्षा रखना चाहूँगी। साथ ही, मैं उनसे अपील भी करना चाहूँगी कि वे जो भी कार्य करें, प्रसन्नचित्त मन से करें !

Q. कॉलेज के विकास में आपके विभाग की क्या भूमिका है?

हर विभाग अपने-अपने विषय के बेहतरी के लिए काम करता है। भूगोल विभाग की सोसाइटी विभाग के विद्यार्थियों के लिए शैक्षणिक योग्यता के संवर्धन के साथ-साथ अन्य गतिविधियों जैसे कि फ्रेशर्स वेलकम, कार्यशाला, वार्त्ता और सेमिनार का आयोजन करता है। इसके अलावा हमारा विभाग प्रत्येक वर्ष अंतर महाविद्यालय स्तर पर 'जियोफेस्ट' का आयोजन करता है। साथ ही, हमारा विभाग 'भू-चेतना' नाम से विभागीय मैगजीन भी प्रकाशित करता है जिसमें हम सभी विद्यार्थियों से सक्रिय भागीदारी की उम्मीद करते हैं।

देश में बढ़ती जनसंख्या की तुलना में संसाधनों की सीमितता की दशा ने भूगोल विषय की उपयोगिता को बढ़ा दिया है। हमारा विभाग सीमित संसाधनों के न्यायपूर्ण उपयोग को उचित रणनीतियों के द्वारा उपयोग पर बल देता है जो सतत् विकास की संकल्पना पर आधारित है।

पृष्ठ 1 का शेष

छात्रों को सर्वांगीण प्रशिक्षण देना विभाग का संकल्प: प्रो. शशि रानी

Q नए विद्यार्थियों से आपकी क्या अपेक्षाएं हैं ?

नए छात्रों को अपने संदेश में ही मैंने उनसे अपनी अपेक्षाओं का भी उल्लेख कर दिया है। तात्पर्य यह है कि वे अपने को,अपने समय और अपने संस्थान को वैल्यू दें। यदि ऐसा करेंगे तो सारे कार्य स्वत: सिद्ध हो जाएंगे।

Q कॉलेज के विकास में आपके विभाग की क्या भूमिका है ?

जहां तक कॉलेज के विकास में हमारे विभाग की भूमिका का प्रश्न है तो मैं यह बताना चाहूंगी कि कॉलेज के प्रत्येक विभाग के द्वारा जो छोटी-बड़ी गतिविधियां संचालित की जाती है। उन सभी गतिविधियों को न केवल कॉलेज स्तर पर अपितु पूरे समाज तक पहुंचने का कार्य हमारा विभाग करता है। 1994 में हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार का पाठ्यक्रम शुरू हुआ था। विगत इन 30 वर्षों में हमारे छात्रों ने मीडिया के सभी संस्थानों में चाहे वह प्रिंट हो इलेक्ट्रॉनिक हो या डिजिटल हो; हर जगह कॉलेज का परचम लहराया है। डीडी न्यूज़, आज तक, एबीपी न्यूज़, एनडीटीवी, न्यूज़ 24, नवभारत टाइम्स, हिंदुस्तान, दैनिक जागरण, दैनिक भास्कर, पंजाब केसरी, टाइम्स ऑफ़ इंडिया, अमर उजाला यहां तक कि इग्नू, सेंट्रल यूनिवर्सिटी महेंद्रगढ़, अमेठी विश्वविद्यालय आदि हर जगह आपको डॉ. भीमराव अंबेडकर कॉलेज के छात्र मिल जाएंगे । हमारे छात्र संजय नंदन को रामनाथ गोयनका अवार्ड से सम्मानित किया जा चुका है। इसी प्रकार हमारे विद्यार्थी डीडी न्यूज में कार्यरत रीमा पाराशर, एबीबी न्यूज में कार्यरत विकास कौशिक समेत अनेक छात्रों को अपने क्षेत्र में विशेष भूमिका के लिए सम्मान प्राप्त हुए हैं। यह सब कॉलेज के विकास में हमारे विभाग का रेखांकन है।

झलक

पृष्ठ 1 का शेष

महाविद्यालय में शैक्षणिक माहौल और सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता : प्राचार्य

और सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी।

Q ओरिएंटेशन कार्यक्रम को लेकर कॉलेज में क्या तैयारियां चल रही हैं?

महाविद्यालय में आयोजित ओरिएंटेशन कार्यक्रम 2024 को लेकर तैयारियां पिछले दस दिनों से जोर-शोर से चल रही है। इसके लिए हमने एक कमिटी का गठन किया है। महाविद्यालय के विभिन्न विभागों और सांस्कृतिक समितियों के आचार्यगण नवांतुकों के स्वागत और उनके मार्गदर्शन हेतु इस कार्यक्रम को अंजाम तक पहुँचाने के लिए जी-जान जुटे हुए हैं। इस कमिटी में हर विभाग के शिक्षक मिलकर विशेष रूप से नए विद्यार्थियों के स्वागत पर ध्यान दे रहे हैं। व्यवस्थाएं और सुविधाओं का खास ख्याल रखा जा रहा है। अभिभावकों को भी ओरिएंटेशन प्रोग्राम में बैठाने की व्यवस्था की गई है। इस बार ओरिएंटेशन कार्यक्रम की खास बात यह है कि बच्चों के साथ उनके अभिभावकों को भी ओरिएंटेशन प्रोग्राम से जोड़ने के लिए लाइव स्ट्रीमिंग की व्यवस्था की गई ताकि बच्चों के साथ-साथ उनके अभिभावकों को भी न केवल महाविद्यालय से जुड़ाव हो सके बल्कि उन्हें इस बात का अहसास हो सके कि उनके प्रतिपाल्यों ने शिक्षा ग्रहण करने हेतु सही कॉलेज का चयन किया है । जहां के आचार्यगण शिक्षण से लेकर उनके चरित्र व व्यक्तित्व निर्माण के लिए सदैव उनके साथ होते हैं।

जैसा कि आप जानते है कि किसी भी महाविद्यालय के लिए शैक्षणिक माहौल और सुरक्षा मुख्य विषय होता है। परिसर को शैक्षणिक माहौल से सुसज्जित करने के लिए हमारे आचार्यगण और विश्वविद्यालय के आचार्यगणों का सदैव सहयोग रहता है। इस कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि दिल्ली विश्वविद्यालय के डीन ऑफ कॉलेजेज प्रो बलराम पाणी जी शिरकत कर रहे हैं। साथ ही, महाविद्यालय परिसर सुरक्षित हो, इसके लिए अतिथि के रूप में गोकुलपुरी के सहायक पुलिस आयुक्त दीपक चंद्र जी को आमंत्रित किया गया है। सहायक पुलिस आयुक्त के साथ महाविद्यालय परिसर की सुरक्षा के मुद्दे पर विमर्श भी किया जाएगा। नए विद्यार्थियों का रैगिंग न हो, इसके लिए पूरे साल इस पर नजर रखने के लिए इस समिति के शिक्षक और कर्मचारी चौकस रहेंगे।

ओरिएंटेशन प्रोग्राम के दौरान विभिन्न समितियों के आचार्यगण विभिन्न विषयों पर विद्यार्थियों के समक्ष प्रजेंटेशन देंगे ताकि उन्हें कॉलेज के तमाम गतिविधियों से परिचित कराया जा सके।

Q देश के अलग-अलग राज्यों से छात्रों ने इस महाविद्यालय में दाखिला लिया है, ऐसे में पेरेंट्स के मन में झिझक रहती है कि उनका बच्चा एक दूर शहर में पढ़ने जा रहा है। सुरक्षा को लेकर अभिभावकों के मन में निरंतर सवाल खड़े होते हैं। इस गंभीर विषय पर कॉलेज वो कौन से कदम उठाएगा जिससे बच्चे और उनके माता-पिता सुनिश्चित हो सकें कि उनके बच्चे का दाखिला एक बेहतर कॉलेज में हुआ है?

जैसा कि मैंने पहले ही बताया कि ओरिएंटेशन प्रोग्राम में गोकलपुरी के सहायक आयुक्त को भी बतौर अतिथि आमंत्रित किया गया है। इसके पीछे की वजह यह है कि एसीपी साहब स्वयं कॉलेज परिसर में आकर सुरक्षा मामले का मुआयना कर सकेंगे। साथ ही, हम उनसे यह भी विमर्श करेंगे कि कैसे महाविद्यालय परिसर को और सुरक्षित बनाया जा सके। एसीपी साहेब भी विद्यार्थियों को संबोधित करेंगे और सुरक्षा के मानकों और सावधानियों से उन्हें अवगत कराएंगे। इसके अलावा हमारी कोशिश होगी कि कॉलेज के बाहर और भीतर पर्याप्त संख्या में प्राइवेट सिक्योरिटी गार्ड्स तैनात किए जाएं ताकि महाविद्यालय परिसर की सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद हो सके। महाविद्यालय प्रशासन वरिष्ठ बच्चों से भी विमर्श कर महाविदायलय के शैक्षणिक महौल और सुरक्षित महौल के निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाएगा। मेरा सर्वोच्च ध्येय महाविद्यालय में अनुशासन कायम रखना, शैक्षणिक माहौल का निर्माण करना और महाविद्यालय परिसर को सुरक्षित बनाना है। इसके लिए आवश्यकतानुसार महत्वपूर्ण निर्णय और कदम उठाए जाते रहेंगे। अभिभावकों को कल के कार्यक्रम में बुलाने का कारण भी यही है कि उन्हें विश्वास हो सके कि उनका बच्चा सुरक्षित परिसर में है और भविष्य में भी उनके सुरक्षित रहने की गारंटी है।

नए विद्यार्थियों में व्यक्तिगत स्वतंत्रता के विकास के पक्ष पर बल देगा मनोविज्ञान विभाग: डॉ. रवि शंकर

नई दिल्ली : महाविद्यालय में ओरिएंटेशन प्रोग्राम के आयोजन के सिलसिले में मनोविज्ञान विभाग में चल रही तैयारियों को जानने के लिए हिन्दी पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के विद्यार्थी अंकित शर्मा ने विभागाध्यक्ष डॉ रवि शंकर से खास बातचीत की। पेश है बातचीत का प्रमुख अंश-

Q आपका विभाग ओरिएंटेशन प्रोग्राम के लिए क्या कर रहा है?

ओरिएंटेशन प्रोग्राम में विद्यार्थियों को कॉलेज औऱ कॉलेज की तमाम गतिविधियों से अवगत करवाया जाएगा। इसके बाद विद्यार्थी विभाग के शिक्षकों से मिलेंगे जिसमें उन्हें सिलेबस, प्रोग्राम से जुड़ी एक्स्ट्रा गतिविधियों से रू-ब-रू कराया जाएगा। वे सोसाइटीज में चार वर्षों की रूपरेखा तैयार करेंगे और उसके अनुरूप कार्य करेंगे। साथ ही, जूनियर और सीनियर विद्यार्थियों का एक संयुक्त वार्तालाप करवाया जाएगा।

Q कॉलेज के विद्यार्थियों को आप क्या संदेश देना चाहेंगे?

हमारा प्रयास होगा कि हरेक विद्यार्थी अपनी स्वतंत्रता को समझ सके और विभाग के संसाधनों का उचित उपयोग करे। उन्हें विभाग समेत कॉलेज के प्रत्येक कार्यक्रमों और गतिविधियों में चढ़-बढ़कर भागीदारी करने का संदेश प्रेषित किया जाएगा।

Q आपका विभाग साल भर में छात्रों के लिए किस तरह के प्रोग्राम आयोजित करेगा?

कार्यशालाओं और सभाओं का आयोजन किया जाएगा। उन्हें मनोविज्ञान से अवगत करवाया जाएगा। नवागंतुकों को ऑडियो-विजुअल लर्निंग और पर्सनालिटी डेवलपमेंट पर ध्यान दिया जाएगा

Q कॉलेज के विकास में आपके विभाग की क्या भूमिका है?

विद्यालयों से महाविद्यालयों में प्रवेश पाने वाले विद्यार्थियों में अनेक तरह की दुविधाएं और उधेड़बुन होती हैं। वे इस काल में जीवन-दर्शन और कैरियर को लेकर उभयतोपाश में होते हैं। मनोविज्ञान विभाग के हम शिक्षक और छात्र नवागंतुकों का काउंसलिंग कर उन्हें उभयतोपाश ने निकालने में मददगार बनना चाहेंगे। हमारा विभाग व्यक्ति और समाज के मनोविज्ञान के अध्ययन कर व्यक्तित्व के निर्माण पर काफी बल देता है। नवांगतुकों से भी मनोविज्ञान के व्यावहारिक पक्ष की समझ विकसित कर व्यक्ति और समाज की समस्याओं के समाधान में उसके उपयोग की सलाह देना चाहेंगे।

ऑनलाइन एडमिशन में जटिलता ज्यादा नहीं है : प्रो. नरेन्द्र ठाकुर

नई दिल्ली : डॉ भीमराव अंबेडकर महाविद्यालय में नए छात्रों के लिए ओरिएंटेशन प्रोग्राम एवं नए सत्र की शुरुआत की तैयारी के संबंध में नामांकन विभाग के संयोजक और अर्थशास्त्र विभाग के प्राध्यापक प्रो. नरेन्द्र ठाकुर से हिन्दी पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के विद्यार्थी संवाददाता प्रेम कुमार ने खास बातचीत की है। पेश हैं इस साक्षात्कार के मुख्य अंश।

Q ऑनलाइन नामांकन प्रक्रिया में आ रहे चुनौतियों को कैसे दूर करेंगे?

नामांकन प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए हम उसे इस बार दो चरणों में बांटकर उसका समाधान करने का प्रयास करेंगे। इससे छात्रों को हो रही समस्याएं स्वतः कम हो जाएंगें। नामांकन के पहले चरण को चार स्तरों में बांटा गया है। नामांकन के चारों स्तरों पर दस्तावेजों की जांच की जाती है और तब उसे नामांकन योग्य घोषित किया जाता है।

Q अगर यथास्थान और यथासमय कोई दस्तावेज उपलब्ध न हो तो उसके लिए क्या प्रावधान है?

दिल्ली विश्वविद्यालय के नियमानुसार यथास्थान औऱ यथासमय दस्तावेज न उपलब्ध होने की स्थिति में दस्तावेज को बनाने और उपलब्ध करवाने के लिए विद्यार्थियों को निश्चित रूप से समय दिया जाता है। लेकिन इस बार नियमों में कुछ बदलाव भी हुए हैं। विद्यार्थी को कॉलेज और कोर्स आवंटन के दौरान ही यह सूचित कर दिया गया है कि आप अपना सभी दस्तावेज तैयार रखें। दस्तावेज न होने की स्थिति में उन्हें नामांकन के दिन तक बनवा लेने के निर्देश दिये गये हैं। अगर किसी हालात

में विद्यार्थी दस्तावेज सत्यापन के लिए समय पर उपलब्ध नहीं करवा पाते हैं तो समय सीमा की बाध्यता के साथ मौका दिया जाएगा।

Q ऑनलाइन नामांकन के क्या फायदे हैं?

ऑनलाइन नामांकन के सबसे बड़े फायदे तो यह हैं कि आप भौतिक परेशानी से बच जाते हैं। दूसरा, आपके आने-जाने का किराया और यहां रहने एवं खाने का खर्च आदि की भी बचत होती है। आप बिना किसी परेशानी के घर बैठे दाखिला करवा लेते हैं। इसके अलावा कागजी प्रक्रियाओं की जटिलताओं को भी ऑन लाइन व्यवस्था कम करती है।

Q आपका विभाग नए विद्यार्थियों के ओरिएंटेशन प्रोग्राम के लिए क्या कर रहा है?

नवागंतुक विद्यार्थियों की मदद के लिए हम लोगों ने कक्षा की समय सूची को जारी कर दिया है। प्रथम वर्ष के बच्चों के साथ एक सामान्य परिचय कक्षा सत्र रखा जाएगा जिसमें हम उनके वरीय छात्रों एवं प्राध्यापकों से परिचय कराएंगे ताकि उन्हें कक्षा में कोई परेशानी न हो।

Q नए विद्यार्थियों को आप क्या संदेश देना चाहेंगे ?

जैसा कि आप सभी जानते हैं कि विकसित भारत के सपने को साकार करने में छात्रों का बहुत बड़ा योगदान होता है। मेरा तो युवा विद्यार्थियों से कहना है कि आप ऊर्जावान हैं। आपको लक्ष्य पर ध्यान देना चाहिए ताकि मार्ग से बिना भटके लक्ष्य को हासिल कर सकें। आप स्वयं के सपनों को साकार करते हुए समाज और देश का नाम रौशन कीजिए, यही कामना है।

Q नए छात्रों से आपकी अपेक्षाएं क्या है ?

पहली बात तो यह कि छात्र अपने बीच एक भाईचारे का संबंध विकसित करें। साथ ही, आप निःसंकोच भाव से प्रश्नों के माध्यम से अपनी जिज्ञाओं को शांत करते हुए ज्ञानार्जन करने हेतु सतत प्रयासरत रहें। किसी भी प्राध्यापक या विद्यार्थी के प्रति द्वंद की भावना ना रखें बल्कि इसके बजाय आपस में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा करने हेतु प्रयासरत रहें। आप सदैव एक आदर्श एवं मेहनती छात्र होने का परिचय दें।

ग्रेजुएशन को पढ़ाई के साथ एक्सपेरिमेंट, एक्सप्लोर और एंजॉय करें : डॉ.सुनीता चाकी

नई दिल्ली : ब्राक मीडिया मैगजीन के लिए हिन्दी पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के विद्यार्थी संवाददाता गोविंद राज द्वारा बीबीई विभाग की प्रमुख डॉ. सुनीता चाकी से नए शैक्षणिक सत्र की शुरुआत और नए छात्रों के लिए ओरिएंटेशन कार्यक्रम को लेकर विशेष बातचीत की गई है। पेश हैं- साक्षात्कार के प्रमुख अंशः

डॉ चाकी ने बताया कि कॉलेज नए छात्रों का स्वागत करने और उन्हें पाठ्यक्रम, परीक्षा पद्धति और अन्य आवश्यक जानकारी से अवगत कराने के लिए ओरिएंटेशन कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। पिछले कुछ वर्षों में विद्यार्थियों के बीच कॉलेज और विभाग के बारे में जागरूकता बढ़ी है।

अब विद्यार्थी कॉलेज के बुनियादी ढांचे के बारे में पहले से ही जानते हैं। इसलिए इस बार ओरिएंटेशन प्रोग्राम में पाठ्यक्रम, विषय-वस्तु आदि पर अधिक ध्यान दिया जाएगा। इसके लिए हमने एक प्रॉस्पेक्ट्स तैयार किया है । नए विद्यार्थियों के लिए आपका क्या संदेश देना चाहेंगी? इस सवाल के जबाव में डॉ. चाकी ने कहा कि नवागंतुक स्नातक प्रथम वर्ष के विद्यार्थी कॉलेज के जीवन का पूरा लुत्फ उठाएं। ग्रेजुएशन के दिनों में जितनी मस्ती होती है, शायद जिंदगी में फिर कभी नहीं हो पाती है। इसलिए खूब दोस्त बनाएं। शिक्षकों के साथ खूब बातचीत करें और नए-नए अनुभव हासिल करें। उन्होंने विद्यार्थियों को पढ़ाई के प्रति भी गंभीर रहने की सलाह दी। उनका मानना है कि ग्रेजुएशन का कालखंड एक्सपेरिमेंट, एक्सप्लोर और एंजॉय" करने का समय है। आप अलग-अलग विषयों को आजमा सकते हैं और अपनी रुचि के अनुसार विषय का चयन कर सकते हैं। उनके विभाग द्वारा छात्रों के लिए आयोजित होने वाले कार्यक्रमों के बारे में उन्होंने बताया कि बीबीई विभाग विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए कई कार्यक्रम आयोजित करता है। हम बच्चों को इंडस्ट्री टूर कराते हैं- एक, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली(एनसीआर) में और एक एनसीआर से बाहर। हर महीने में एक वर्कशॉप और सेमिनार होता है। एल्यूमिनाई मीट और डिपार्टमेंट का वार्षिक उत्सव 'रेडियांस' हरेक साल आयोजित होता है। हमारा विभाग बीएससी के साथ मार्केट से संबंधित एक एड-ऑन कोर्स भी करवाने की योजना बना रहा है। कॉलेज के विकास में विभाग की भूमिका के बारे में उनका कहना था कि बीबीई विभाग कॉलेज के सबसे प्रतिष्ठित विभागों में से एक है। विभाग के छात्रों ने सबसे ज़्यादा शोध-पत्र प्रकाशित किए हैं। बाकि के विभाग के शिक्षक तो शोध करते हीं हैं, लेकिन हमारे विद्यार्थियों के भी सबसे अधिक शोध पत्र प्रकशित होते हैं।

नवागंतुकों को जीवन की आगामी चुनौतियों से जुझने की सीख देंगे: प्रो. चित्रा

नई दिल्ली : डॉ. भीमराव अंबेडकर कॉलेज में स्नातक प्रथम वर्ष के नए विद्यार्थियों के आगमन के मौके पर अभिविन्यास कार्यक्रम(Orientation Programme) का आयोजन किया जा रहा है। इस मौके पर हिन्दी विभाग की योजनाओं और कार्यनीतियों पर हिन्दी पत्रकारिता और जनसंचार विभाग की तृतीय वर्ष की स्नेहा ने विभागाध्यक्ष डॉ चित्रा रानी से खास बातचीत की है।

Q आपका विभाग नए विद्यार्थियों के ओरिएंटेशन प्रोग्राम के लिए क्या कर रहा है?

महाविद्यालय द्वारा नए बच्चों के लिए ओरिएंटेशन प्रोग्राम करवा जा रहा है। यह कार्यक्रम पूरे कॉलेज स्तर का है। इस प्रोग्राम के बाद हिन्दी विभाग में एक और ओरिएंटेशन प्रोग्राम करवाया जाएगा जिसके लिए हमने बहुत सी योजनाएं बनाई हैं। हिंदी विभाग की विशेष पहल होगी कि प्रत्येक नवागंतुक को हरेक शिक्षक से व्यक्तिगत मुलाकात करवायी जाए ताकि विद्यार्थी अपने गुरुजनों से आत्मीय संबंध जोड़ सकें। साथ ही, प्रत्येक नवागंतुकों के मन में जीवन-दर्शन और कैरियर से संबंधित उमड़ने-घुमड़ने वाले प्रत्येक जिज्ञासाओं के समाधान का प्रयास हम शिक्षकों द्वारा किया जाएगा।

Q नए विद्यार्थियों को आपका क्या संदेश है?

मूलत: हम बच्चों को यह कहना चाहेंगे कि वे स्वयं को बेहतर मनुष्य बनाने पर ज्यादा ध्यान दें। साथ ही, हमारा उनके लिए यह भी संदेश होगा कि जीवन में किसी भी परिस्थिति को हँसते हुए और हौसले के साथ सामना करने का जज्बा पैदा करें क्योंकि आज के दौर में जिंदगी आपको सब कुछ थाली में परोस कर नहीं देती है। आपको स्वयं संघर्ष करके मंजिल तक पहुँचना होता है। जिंदगी में तमाम तरीके की चुनौतियां आती हैं। जीवन के हर कठिनाइयों और मुश्किलों का सामना डटकर करने की चाहत पैदा करनी होगी। विद्यार्थियों को जीवन में सतत संघर्ष करते रहना चाहिए क्योंकि संघर्ष का फल आपको अवश्य मिलता है। साथ ही, संघर्ष की बदौलत हमारे महाविद्यालय के पूर्ववर्ती विद्यार्थियों ने मुकाम पाया है। वे हमारे नये विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा स्रोत हैं। सदैव सकारात्मक सोच के साथ मेहनत करते रहने से मंजिल अवश्य मिलती है, इस सूत्र वाक्य को नवागंतुकों को आत्मसात् कराने का प्रयास हमारा विभाग करेगा।

Q नए विद्यार्थियों से आपकी क्या अपेक्षाएं हैं?

नए विद्यार्थियों से हम यही अपेक्षा रखते हैं कि वे अपने जीवन में कड़ी मेहनत कर सफलता प्राप्त करें। चाहे उनकी सफलता पढ़ाई के क्षेत्र में हो या नौकरी के क्षेत्र में या फिर जीवन के किसी भी क्षेत्र में हो। उनकी सफलता अपने परिवार, शिक्षक और महाविद्यालय को सदैव गौरवान्वित करता रहे, यही कामना हम शिक्षकों की होती है और यही हमारी उम्मीद भी होती है। डॉ चित्रा रानी ने बताया कि मैं अपने जीवन में काफी भाग्यशाली रही हूँ कि हमारे बहुत से पूर्ववर्ती विद्यार्थियों ने हमारे महाविद्यालय का नाम रौशन किया है और हम शिक्षकों की प्रतिष्ठा में भी बढ़ोत्तरी की है। अगर आप कहीं जाते हैं और आपकी पहचान आपके विद्यार्थियों से होती है तो एक शिक्षक के लिए इससे ज्यादा खुशी का पल कोई और हो ही नहीं सकता है। हम नवागंतुकों से यही उम्मीद करना चाहेंगे कि यहां से पास आउट होकर जिस किसी भी क्षेत्र में कैरियर बनाये, वे सदैव उस क्षेत्र में अव्वल रहें और सदा सत्य मार्ग पर चलें।

Q कॉलेज के विकास में आपके विभाग की क्या भूमिका है?

हिंदी विभाग के अंदर हिंदी साहित्य और हिंदी पत्रकारिता दोनों आते हैं। यदि देखा जाए तो दोनों ही क्षेत्र मिलकर इस महाविद्यालय के नाम ऊपर कर रहे हैं साथ ही, जो हिंदी के विद्यार्थी है,वे भी अच्छे पदों पर हैं और अच्छी मुकाम हासिल कर रहे हैं। इनमें कई प्रोफेसर हैं, कई पत्र-पत्रिकाओं के संपादन में संलग्न हैं, तो कई विज्ञापन के क्षेत्र में बेहतर कर रहे हैं। हमारे कई विद्यार्थी तो पत्रकारिता के तमाम विधाओं यथा- प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडया और डिजिटल मीडिया में बुलंदी का झंडा गाड़ रहे हैं। हमारे बहुत सारे विद्यार्थी सरकारी सेवाओं के योगदान देकर राष्ट्र निर्माण में लगे हुए हैं। नवागंतुकों से मेरी खास अपील होगी कि महाविद्यालय के पूर्ववर्ती छात्रों से प्रेरणा लेकर स्वयं को भी जीवन में मनवांछित सफलता के लिए सदैव प्रेरित करते रहें और मुकाम प्राप्ति तक स्वयं को संघर्षरत औऱ कार्यशील बनाये रखें ताकि हमारे कॉलेज की ख्याति और उपलब्धि सदैव शिखर की ओर अग्रसर होती रहे।

समाज की समझ विकसित करेगा विभाग: डॉ तुष्टि

नई दिल्ली : महाविद्यालय में स्नातक प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए ओरिएंटेशन प्रोग्राम गुरुवार को किया जाना है। इस कार्य को अंजाम तक पहुँचाने के लिए समाज कार्य विभाग की प्रमुख डॉ तुष्टि भारद्वाज की भूमिका न केवल विभाग के स्तर पर है बल्कि ये महाविद्यालय में ओरिएंटेशन प्रोग्राम की समन्वयक भी हैं। समाज कार्य विभाग में ओरिएंटेशन की तैयारियों के सिलसिले में हिन्दी पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के छात्र संवाददाता अंकित शर्मा ने खास बातचीत की है। पेश है प्रमुख अंश:

Q आपका विभाग ओरिएंटेशन प्रोग्राम के लिए क्या कर रहा है?

हम विद्यार्थियों का स्वागत करेंगे। कॉलेज से अवगत कराएंगे। कॉलेज के कोर्स, सुविधाओं, सोसायटीज तथा अन्य गतिविधियो की जानकारी देंगे। शैक्षणिक कार्यक्रमों और राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 आदि की जानकारी नवागंतुकों को दी जाएगी।

Q कॉलेज के विद्यार्थियों को आप क्या संदेश देना चाहेंगे?

विद्यार्थियों की एक स्वतंत्र यात्रा प्रारंभ हो रही है। वे जिम्मेदार बने, कर्तव्यों को समझें और जीवन में अपने लक्ष्य को प्राप्त करने की रणनीति बनाकर काम करें।

Q आपका विभाग साल भर में छात्रों के लिए किस तरह का प्रोग्राम आयोजित करेगा?

समाज कार्य विभाग विद्यार्थियों को कोर्स की प्रायोगिकता बताएगा , कोर्स से अवगत करवाएगा , विभिन्न कार्यशालाओं का आयोजन किया जाएगा और विद्यार्थियों को विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के साथ जुड़कर कार्य करने के अवसर दिए जाएंगे।

Q कॉलेज के विद्यार्थियों से आपकी क्या अपेक्षाएं हैं?

वे अनुशासन में रहें। जिम्मेदारियों को समझें और अपने लक्ष्य पर केंद्रित रहकर अध्ययन में संलग्न रहें । नई -नई चीजों का अनुसंधान करें ।

Q कॉलेज के विकास में आपके विभाग की क्या भूमिका है?

समाज कार्य विभाग का उद्देश्य समाज से जुड़े सभी कार्य एवं समाज के प्रति कर्तव्य का बोध करवाना है। इससे बच्चों में समाज की समझ विकसित होती है। इस अर्थ में हमारे विभाग की भूमिका न केवल महाविद्यालय के लिए औऱ समाज के लिए भी महत्वपूर्ण है।

अभिविन्यास कार्यक्रम(Orientation Programme) की कुछ झलकियाँ

शिक्षक सहयोगी : प्रो. बिजेन्द्र कुमार, प्रो. शशि रानी
डिज़ाइन परिकल्पना : नीरज कुमार, योगेश
छात्र सहयोगी : प्रेम कुमार, नरसिंह साहू, सत्यम वर्मा, रवि शंकर, अजय, सौभाग्य, राज, विवेक लोधी, अभिषेक द्विवेदी, अदिति, अंकित शर्मा, अंकिता पांडे, अनन्या तिवारी, अंशु कुमार, शालू मिश्रा , स्नेहा गुप्ता, सुप्रिया, गोविंद राज, अनुराग चौहान, संकल्प मिश्रा, नीरज कुमार, योगेश, अंजली राय, साकिब खान, ऋतिका पटेल

डिस्क्लेमर: ब्राक मीडिया के इस प्रायोगिक समाचार-पत्र में छपी सामग्री लेखक के अपने विचार है, इस सामग्री का संपादकीय टीम से कोई संबंध नहीं है।